□□□□□ □□□□□□□□

नई दल्लिी। चुनावी मौसम है। आखरिी फैसला तो जनता करेगी पर भाजपा व कांग्रेस की कि वी जंग में सरिदर्द चुनाव आयोग का ब ता जा रहा है। दोनों पार्टयिों और उनके समर्थकों ने वचित्रि बातों को आधार बनाते हु चुनाव आयोग के पास शकियतें दर्ज करानी शुरू कर दी हैं। इन दनिों क समाचार चैनल बीपी पर दखिा जा रहे क कार्यक्रम की भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी ने तारीफ क्या कर दी कि उस पर तुरंत पाबंदी लगा जाने की मांग करते हु चुनाव आयोग के पास शकियत दर्ज करा दी गई है। आयोग फलिहाल इस शकियत पर वचिार कर रहा है।

कुछ समय पहले कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी के खलिाफ भाजपा ने चुनाव आयोग में शकियत की थी कि चुर व इंदौर में अपने भाषणों से उन्होंने लोगों की भावना भ काने की कोशशि की थी। इस पर चुनाव आयोग ने उन्हे नोटसि जारी कयिा जसिका उन्होंने जवाब भेज दयिा है।

अब लगभग इसी आधार पर आयोग में क और शकियत की गई है जो कि अपने आप में अनोखी ही कही जा गी। शकियतकर्ता की मांग है कि बीपी चैनल पर दखिा जाने वाले 'प्रधानमंत्री' सीरयिल पर तुरंत रोक लगाई जानी चाहि क्योंकि उसके जरि क राजनीतकि दल के हतिों पर प्रहार कयिा जा रहा है। शकियत के मुताबकि यह आदर्श चुनावी आचार संहति के खलिाफ है।

अखलि भारतीय धोबी समाज की ओर से दायर इस शकियत में कहा गया है कि बीपी चैनल पर दखिा जाने वाले प्रधानमंत्री चैनल में कुछ संवेदनशील मुद्दों और तथ्यों को दखिाया जा रहा है। इससे समाज में वभिन्नि वर्गों के बीच नफरत व तनाव पैदा हो सक्ता है। इस धारावाहकि में कुछ ऐसी बातें कही गई हैं जनिका कोई प्रमाणकि आधार ही नहीं है।

शकियतकर्ता सुरेश कनौजयिा की दलील है कि नरिाधार चीजों के आधार पर यह कार्यक्रम पुरानी घटनाओं को याद दलिाता है जसिसे सांप्रदायकि सौहार्द बगि सक्ता है। यह आदर्श आचार संहति का उल्लंघन है। अपनी दलील की पुष्टि में शकियतकर्ता ने कहा कि भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी ने अपने ब्लाग में इस धारावाहकि का जक्रि करते हु इसकी काफी तारीफ की। उन्होंने कहा कि आडवाणी ने खासतौर पर इसमें दखिा ग शाहबानो व अयोध्या में राम मंदरि का ताला खोले जाने संबंधी चीजों के जक्रि की तारीफ की थी। इस कार्यक्रम में बताया गया था कि कसि तरह से सरकार ने पहले मुसलमि वोटरों को और बाद में हदिू मतदाताओं को रझिाने की कोशशि की थी।

शकियत में चैनल के ब्लॉग की भी शकियत की गई है जसिमें कहा गया है कि आपरेशन ब्लूस्टार का बदला लेने के लि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदरि गांधी की 1984 में उनके दो सखि अंगरक्षकों ने उनकी हत्या कर दी थी। इसके बाद राजधानी दल्लिी में भ के सखि वरिोधी दंगों में करीब 3000 सखि मारे ग । ऐसा आरोप है कि कांग्रेस के नेताओं ने यह दंगे भ का । इसमें क सखि रपिोर्टर जरनैल सहि को यह कहते हु दखिाया गया है कि कि दंगे पूर्वनयिोजति थे।

आदर्श आचार संहिता का हवाला देते हु सुरेश कनौजिया ने कहा है कि इसमें स्पष्ट कहा गया है कि कोई भी पार्टी या उम्मीदवार ऐसी कोई बात नहीं करेगा जिससे विभिन्न समुदायों व जातियों के बीच आपसी घृणा या तनाव पैदा हो राजनीतिक दलों की आलोचना भी उनकी नीतियों व कार्यक्रमों तक ही सीमित रहनी चाहि उनके विगत के कारनामों, निजी जिंदगी की चर्चा या आधारहीन आरोप नहीं लगा जाने चाहि उन्होंने कहा कि यह धारावाहिक के खास राजनीतिक दल के हितों के खिलाफ है शिकायतकर्ता ने इस पर तुरंत रोक लगा जाने की मांग की है चुनाव आयोग ने इस शिकायत के मिलने की पुष्टि करते हु कहा कि इसकी जांच करने के बाद ही वे कोई कदम उठा ंगे

वैसे यह बताने की जरूरत नहीं है कि इस शिकायत से किसको फायदा होगा इससे पहले इसी शिकायतकर्ता सुरेश कनौजिया ने 10 फरवरी, 2004 को अनइंप्लायड यूथ यूनिटी मूवमेंट के महासचिव की हैसियत से राजग सरकार के इंडिया शाइनिंग कार्यक्रम पर होने वाले खर्च व उस पर रोक लगाने के लि दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी इस याचिका के आधार पर ही हाई कोर्ट ने तब सरकारी खर्च पर की जाने वाली राजग के प्रचार वाली विज्ञापनबाजी पर रोक लगा दी थी जिससे सरकार की खासी फजीहत हुई थी